भारत सरकार-संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास सहयोग ढाँचा 2023-2027

प्रिलिम्स के लिये:

नीति आयोग, संयुक्त राष्ट्र, सतत् विकास लक्ष्य (SDG), **भारत सरकार-संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास सहयोग ढाँचा 2023-2027**

मेन्स के लिये:

भारत सरकार-संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास सहयोग ढाँचा (GoI-UNSDCF) 2023-2027, SDG से संबंधित पहल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में नीति आयोग और संयुक्त राष्ट्र ने **भारत सरकार-संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास सहयोग ढाँचा (Government of India-United Nations Sustainable Development Cooperation Framework (GoI-UNSDCF) 2023-2027** पर हस्ताक्षर किये।

- **संयुक्त राष्ट्र महासभा** इस ढाँचे को देश स्तर पर संयुक्त राष्ट्र विकास प्रणाली हेतु प्रमुख योजना और कार्यान्वयन साधन के रूप में नामित करती है।
- यह ढाँचा विकास हेतु भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ संरेखित करता है और इसका उद्देश्य सतत् विकास लक्ष्य (Sustainable Development Goals- SDG) को प्राप्त करना है, जिसमें लैंगिक समानता, युवा सशक्तीकरण एवं मानव अधिकारों पर ज़ोर दिया गया है।

प्रमुख बिंदु

- **सामरिक स्तंभ और परिणाम क्षेत्र:**
  - GoI-UNSDCF 2023-2027 को **एजेंडा, 2030** से प्राप्त चार सामरिक स्तंभों पर बनाया गया है:
    - लोग, समृद्धि, ग्रह और भागीदारी।
  - चार स्तंभों में **छह परिणाम क्षेत्र** शामिल हैं:
    - स्वास्थ्य और कल्याण
    - पोषण और खाद्य सुरक्षा
    - गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
    - आर्थिक विकास और उचित कार्य
    - पर्यावरण, जलवायु, WASH (जल, सफाई और स्वच्छता) तथा सुनम्यता
    - लोगों, समुदायों और संस्थानों को सशक्त बनाना
- **लक्ष्य:**
  - GoI-UNSDCF **सतत् विकास लक्ष्यों (SDG) के स्थानीयकरण एवं दक्षिण-दक्षिण सहयोग (South-South Cooperation) पर विशेष बल देता है**, यह सतत् विकास लक्ष्यों को लागू करने और उसमें तेज़ी लाने में भारत के नेतृत्व के साथ सामंजस्य स्थापित करता है।
    - "**SDG स्थानीयकरण**" स्थानीय स्तर पर SDG को व्यावहारिक रूप देने की प्रक्रिया है,**जो राष्ट्रीय ढाँचे और समुदायों की प्राथमिकताओं के अनुरूप हो**।
  - भारत का लक्ष्य **विश्व स्तर पर अपने विकास मॉडल प्रदर्शित करना** और **दक्षिण-दक्षिण सहयोग** को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना है।
- **कार्यान्वयन और निगरानी:**
  - GoI-UNSDCF 2023-2027 के कार्यान्वयन, निगरानी और रिपोर्टिंग का संयुक्त संचालन एक **संयुक्त संचालन समिति** के माध्यम से **भारत सरकार और संयुक्त राष्ट्र** द्वारा किया जाएगा।

सतत् विकास लक्ष्य (SDG):

- सतत् विकास लक्ष्यों (SDG) को वैश्विक लक्ष्यों के रूप में भी जाना जाता है, **वर्ष 2015 में** संयुक्त राष्ट्र द्वारा गरीबी को समाप्त करने, ग्रह

की रक्षा और वर्ष 2030 तक सभी की शांति एवं समृद्धि सुनिश्चित करने के लिये इसे एक सार्वभौमिक आह्वान के रूप में अपनाया गया था।

- 17 SGD एकीकृत हैं- इन लक्ष्यों के अंतर्गत एक क्षेत्र में की गई कार्रवाई दूसरे क्षेत्र के परिणामों को प्रभावित करेगी और इनके अंतर्गत **सामाजिक, आर्थिक तथा पर्यावरणीय रूप से स्थिर/वहनीय विकास** होगा।
- यह पिछड़े देशों को विकास क्रम में प्राथमिकता प्रदान करता है।
- SDG को **गरीबी, भुखमरी, एड्स** और महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को समाप्त करने के लिये बनाया गया है।
- भारत ने हाल के वर्षों में विशेष रूप से SDG के 13वें लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये महत्त्वपूर्ण प्रयास किये हैं।
    - यह लक्ष्य जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभावों से निपटने के लिये तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान करता है।

SUSTAINABLE DEVELOPMENT GOALS

TRANSFORMING OUR WORLD:
THE 2030 AGENDA FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT

1 शून्य गरीबी

2 शून्य भुखमरी

3 उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली

4 गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

5 लैंगिक समानता

6 स्वच्छ जल और स्वच्छता

7 सस्ती और प्रदूषण–मुक्त

8 उत्कृष्ट कार्य और आर्थिक वृद्धि

9 उद्योग, नवाचार और बुनियादी सुविधाएं

10 असमानताओं में कमी

11 संवहनीय शहर और समुदाय

12 संवहनीय उपभोग और उत्पादन

13 जलवायु कार्रवाई

14 जलीय जीवों की सुरक्षा

15 थलीय जीवों की सुरक्षा

16 शांति, न्याय और सशक्त संस्थाए

17 लक्ष्य हेतु भागीदारी

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2016)

1. सतत् विकास लक्ष्य पहली बार 1972 में एक वैश्विक विचार मंडल (थिंक टैंक), जिसे 'क्लब ऑफ रोम' कहा जाता था, ने प्रस्तावित किया था।
2. सतत् विकास लक्ष्य 2030 तक प्राप्त किये जाने हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/goi-unsdcf-2023-2027